आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 55 | उज्जैन, बुधवार 15 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

अयोध्या की तरह होगा चित्रकूट धाम का विकास-मुख्यमंत्री

प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्थाएं देखने भेजा गया मध्यप्रदेश का अधिकारी दल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चित्रकूट धाम का विकास अयोध्या की तरह ही जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत अच्छे प्रबंध किए हैं। इसके परिणाम भी दिख रहे हैं। प्रयागराज के महाकुंभ की व्यवस्थाओं से बड़े मेलों के लिए आवश्यक प्रबंधन सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना जिले के साथ पवित्र चित्रकूट धाम के विकास को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों के प्रस्ताव और अनेक सुझाव मिले हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर चित्रकूट धाम में भगवान श्रीराम के ऐतिहासिक काल को जोड़ते हुए, यहां के वैभव को स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट में विकास संबंधी बैठक के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि विकास के कई प्रस्तावों पर केन्द्रित एक कार्य योजना भी तैयार की जा रही है। बैठक में प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर चित्रकूट की महिमा, पुराना वैभव एवं गौरव को दृष्टिगत रखते हुए विकास के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक आदि जन-प्रतिनिधि बैठक में शामिल रहे। जन-प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के कुंभ में भेजा गया है अधिकारियों का दल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश के अधिकारी भेजे हैं। इसके बाद वर्ष-2028 में उज्जैन में सिंहस्थ होने जा रहा है। अलग-अलग खगोलीय घटनाएं होती हैं जिनके के आधार पर इनका नाम महाकुंभ और सिंहस्थ नाम होता है। ये विश्व के सबसे बड़े मेले हैं। हम उम्मीद करेंगे कि इन मेलों से हमारे प्रबंध बड़े से बड़े स्थान में की गई व्यवस्था सुव्यवस्था में बदले और छोटे स्थानों और धार्मिक मेलों में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं कैसे दे सकते हैं, इसके लिए क्रियान्वयन का रास्ता तैयार होता है। यह चित्रकूट में लघु रूप में ही क्यों न हो, यह प्रबंधन से सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रयास है आधुनिक तकनीक का लाभ लेते हुए बेहतर प्रबंधन से शासन, सुशासन में बदलें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कामना की कि प्रयागराज कुंभ सभी के लिए फलदायी हो। विशेष रूप से सनातन धर्म में प्रत्येक 12 साल में अलग-अलग स्थानों पर वैचारिक अनुष्ठान का जो यह महा आयोजन होता है, हमारी धार्मिक दृष्टि से भी उसका विशेष महत्व है।

उत्तर भारत में भीषण ठंड से अभी राहत नहीं, घने कोहरे का प्रकोप रहेगा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड और घने कोहरे का प्रकोप अभी कुछ दिन उत्तर भारत में जारी रहेगा। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में घने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी में ठिठुरन के बीच सोमवार सुबह घना कोहरा रहा।

इस वजह से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह पांच से तीन घंटे तक न्यूनतम दृश्यता सिर्फ 50 मीटर रही। इससे उड़ानें प्रभावित हुईं। कोहरे के कारण सड़क व रेल यातायात भी प्रभावित रहा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा और कुछ इलाकों में बेहद घना कोहरा हो सकता है। सोमवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश की बात करें तो सर्द हवाओं के चलते यहां शाम होते ही गलन बरकरार है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। सोमवार को फतेहपुर 6.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा। कश्मीर में सोमवार को न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जबकि रविवार की रात को पहलगाम माइनस 8.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ पूरे जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा।

नशे में आया दूल्हा तो दुल्हन की मां ने उठाया ऐसा कदम, अब जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों की शादी करने पर माता-पिता से ज्यादा खुश कोई नहीं होता। इस बीच बेंगलुरु से ऐसा मामला सामने आया है, जहां शादी के बीच में ही एक मां को अपनी बेटी की शादी कैंसिल करनी पड़ी। अब उन्होंने आखिर ऐसा क्यों किया, इसके पीछे की वजह आपको बताते हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, दूल्हे ने शादी के दिन अपने दोस्तों के साथ मिलकर जमकर शराब पी थी, और लड़की वालों के साथ गलत व्यवहार किया। इस वजह से उसकी मां को उसकी शादी कैंसिल करनी पड़ी।दूल्हे और उसके दोस्तों द्वारा नशा करके उधम मचाने की हरकत से वह काफी नाखुश होती हैं । क्योंकि नशे में धुत वे सभी लड़की के परिवार वालों से खराब व्यवहार कर रहे होते।

मां ने क्यों लिया ऐसा फैसला- साथ ही, शादी में भी बाधा डाल रहे होते है। जिसके कारण ही मां को अपनी बेटी की बारात को वापस भेजने का फैसला लेना पड़ता है।

इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दुल्हन की मां हाथ जोड़कर दूल्हे और उसके परिवार से चले जाने का अनुरोध करती दिख रही है।

तमिलनाडु में बेपटरी हुई पैसेंजर ट्रेन, लोको पायलट की सूझबूझ से बची सैकड़ों यात्रियों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में पुडुचेरी जाने वाली मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन का एक डिब्बा विल्लुपुरम के पास पटरी से उतर गया और एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लोको पायलट ने इसे देख लिया और तुरंत ट्रेन रोक दी।

कोई भी घायल नहीं हुआ और लगभग 3 घंटे में यातायात बहाल कर दिया गया, अधिकारी ने कहा कि पटरी से उतरने का कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा, जिसके आदेश दे दिए गए हैं।

कैसे बेपटरी हुई ट्रेन- जब लगभग 500 यात्रियों के साथ विल्लुपुरम-पुडुचेरी ट्रेन, सुबह 5.25 बजे विल्लुपुरम से प्रस्थान करने के तुरंत बाद, एक मोड़ पार कर रही थी, एक कोच पटरी से उतर गया और लोको पायलट ने तेजी से ट्रेन रोक दी।

ट्रेन के पटरी से उतरने के कारण विल्लुपुरम मार्ग पर ट्रेन सेवाएं सुबह 8.30 बजे तक बाधित रहीं। विल्लुपुरम-पुडुचेरी मेमू लगभग 38 किमी की दूरी तय करने वाली एक छोटी दूरी की ट्रेन है।

घटनास्थल पर पहुंचे रेलवे कर्मचारी- रेलवे कर्मचारी और इंजीनियर घटनास्थल पर पहुंचे और पटरी से उतरी ट्रेन की मरम्मत के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

इससे कुछ दिन पहले तमिलनाडु के कावराईपेट्टई के पास एक ट्रेन हादसा हुआ था। यहां कर्नाटक के मैसूर से बिहार के दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12578) के 12 डिब्बे रात करीब साढ़े आठ बजे मालगाड़ी से टकराने के बाद बेपटरी हो गए।

भारत से काफी हद तक उसकी संस्कृति छीनी जा चुकी है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ संबंधों में दोनों देशों की जनता के बीच संपर्क को आधार बताया है। हालांकि उन्होंने जल्द ही सत्ता संभालने वाली डोनाल्ड ट्रंप की सरकार की आव्रजन नीति को लेकर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि आप भूतकाल को जाने बिना भविष्य नहीं रच सकते। अमेरिका मानता है कि भारत से भारतीय संस्कृति बहुत हद तक छीन ली गई है। कुछ मामलों में तो भारत से चुराई गई है।

पदमुक्त हो रहे बाइडन प्रशासन में राजदूत गार्सेटी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा कि लगातार दूसरे साल 2024 में भारतीयों को 10 लाख से अधिक गैर-आव्रजक वीजा जारी किए गए हैं। फ?र्स्ट टाइम वीजा को छोड़ बाकी सभी वीजा का वेटिंग टाइम कम कर दिया गया है।

अमेरिकी राजदूत ने बिना कोई और जिक्र किए कहा कि नफरत करने वालों को गलत साबित करने की जरूरत है। इसीलिए दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध और प्रगाढ़ करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि भविष्य में क्या होने वाला है। लेकिन मैं अपने साथी अमेरिकियों से कहूंगा कि हम अधिकाधिक भारतीयों से अधिकाधिक तरीकों से संपर्क बना सकें वह उतना अच्छा होगा। हम अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक व शैक्षणिक आदान-प्रदान के जरिये संबंधों को और प्रगाढ़ कर सकते हैं।

स्पेन पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कहा- भारत में आपकी कंपनियों का स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री के रूप में स्पेन के अपने पहले दौरे पर सोमवार को मैड्रिड पहुंचे एस. जयशंकर ने अपने स्पेनी समकक्ष जोस मैनुएल अल्बरेस के साथ क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ के साथ घनिष्ठ साझेदारी के लिए प्रयासरत है और भविष्य में भूमध्यसागरीय क्षेत्र में इसकी उपस्थिति और अधिक स्पष्ट होगी।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ बहुत उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत, स्पेन के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और बढ़ाने के लिए तत्पर है।

IMD के 150वें स्थापना दिवस में शामिल हुए PM मोदी, बोले- आज वाट्सएप पर मिलता है मौसम अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भारतीय मंडपम में आयोजित भारतीय मौसम विभाग के 150वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने यहां 25 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने IMD के विकास, उसके महत्व और चुनौतियों के बारे में बात की।

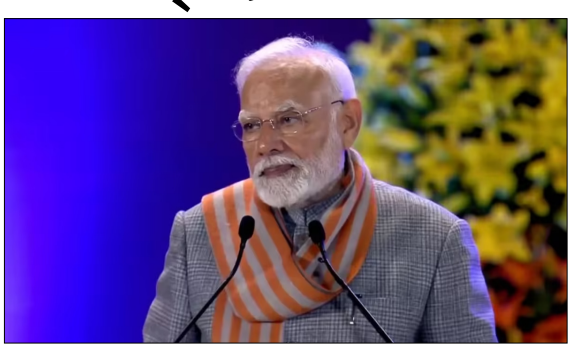

पीएम मोदी ने कहा, आज हम भारतीय मौसम विभाग यानी ढ्ढस्छ्र के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। ढ्ढस्छ्र ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है।

पिछली सरकारों में आपदाओं को नियती कहकर टाल दिया जाता था- पीएम मोदी

उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा, आज मौसम से जुड़ी सारी अपडेट वॉट्सएप पर मिल जाती है। पिछले 10 सालों में कई साइक्लोन आए लेकिन हमने जनहानि को जीरो या सबसे कम करके दिखाया। पिछली सरकारों में जब ऐसी प्राकृतिक आपदाओं में हजारों जानें जाती थीं तो उसे नियती कहकर टाल दिया जाता था।

पीएम ने यहां 'मिशन मौसम' का इनॉगरेशन भी किया। कार्यक्रम में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के अलावा मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के देश के अधिकारी भी शामिल हुए।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया मिशन मौसम - उन्होंने कहा, भारत एक climate-smart राष्ट्र बने इसके लिए हमने 'मिशन मौसम' भी लांच किया है। मिशन मौसम sustainable future और future readiness को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

हमारी meteorological advancement के चलते हमारी disaster management capacity build हुई है। इसका लाभ पूरे विश्व को मिल रहा है।

आज हमारा Flash Flood Guidance system नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी सूचनाएं दे रहा।

IMD के जरिए अर्ली वॉर्निंग फॉर ऑल जारी किया गया है। देश की 90% आबादी तक इसकी पहुंच है। हर किसी को पिछले और आने वाले 10 दिनों की जानकारी मिलती है।

मौसम से जुड़ी भविष्यवाणी सीधे व्हॉट्सएप पर पहुंच जाती हैं। हमने मेघदूत मोबाइल ऐप बनाया। जहां देश की सभी स्थानीय भाषा में जानकारी मिलती है।

शपथ जनवरी में ही क्यों? हाथ में बाइबिल रखने का क्या है इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। इनॉग्रेशन सेरेमनी बड़ी भव्य होगी। इसके टिकट बिक चुके हैं। अमेरिका के चिर प्रतिद्वंद्वी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित कई विदेशी मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। दुनिया के सबसे ताकतवर और बड़े लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण पर पूरी दुनिया की नजरें रहेंगी। इस शपथग्रहण से जुड़े कई अहम सवाल हैं, जिन्हें जानना बड़ा दिलचस्प होगा। जैसे कि जनवरी के महीने में ही शपथ ग्रहण का इनॉग्रेशन क्यों होता है? शपथ लेते समय बाइबिल हाथ में रखने की परंपरा क्या है और कब से है?

डोनाल्ड ट्रंप 3 नवंबर 2024 को ही अमेरिका के प्रेसिडेंट पद के लिए इलेक्ट हो गए थे। अब जाकर 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद का शपथ ग्रहण समारोह हो रहा है। सवाल यह है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत जाने के इतने लंबे %गैप% के बाद क्यों शपथ ग्रहण करता है। इसके पीछे क्या कारण है। चुनाव जीतने के ढाई महीने के बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे क्या कारण है। दरअसल, अमेरिका के संविधान में 20वां संशोधन करके यह परंपरा शुरू की गई थी।

पहले ऐसा नहीं होता था। साल 1937 से पहले तक अमेरिका में प्रेसिडेंट पद का शपथ ग्रहण 5 मार्च को होता था। इससे पहले 30 अप्रैल 1789 को जॉर्ज वाशिंगटन ने फेडरल हॉल की बालकनी में खड़े होकर अमेरिका के प्रेसिडेंट पद की शपथ ग्रहण की थी। इस दौरान उनकी आयु 57 साल की थी।

जॉर्ज वॉशिंगटन दूसरी बार भी अमेरिका के राष्ट्रपति बने। उन्होंने दूसरी बार 4 मार्च 1793 के दिन एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

फिर जेम्?स मोनरो राष्ट्रपति बने, उन्होंने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता और 5 मार्च 1821 को अपना शपथ ग्रहण कार्यक्रम रखा।

इसके बाद अमेरिका के संविधान में संशोधन किया गया। इस 20 वें संशोधन के बाद तय किया गया कि अब से 20 जनवरी को ही राष्ट्रपति पद के लिए इनॉग्रेशन रखा जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए इस तारीख को शपथ ग्रहण तय किए जाने के बाद फ्रेंकलिन रुजवेल्ट पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे, जिन्होंने साल 1937 की 20 जनवरी के दिन शपथ ली।

अमेरिका एक ईसाई बहुल देश है। यहां राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण और बाइबिल का एक बहुत पुराना इतिहास है। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि शपथ ग्रहण के दौरान बाइबिल रखना कानूनी रूप से मेंडेटरी बिल्कुल नहीं है।

बंधकों की रिहाई से लेकर सैनिकों की वापसी तक... इन शर्तों पर बनी इजरायल-हमास के बीच सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच पिछले 15 महीने से जारी युद्ध अब समाप्ति की कगार पर है। कतर दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कराने की कोशिश कर रहा है। कतर ने गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक ड्राफ्ट प्रपोजल तैयार किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के कुछ दिन पहले ही दोहा में चल रही बातचीत निर्णायक मोड़ पर है। इजरायल और हमास के बीच जल्द ही समझौते पर सहमति बन सकती है। हमास ने अब तक समझौते को लेकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन इजरायल के अधिकारियों

ने इस पर पत्रकारों को जानकारी दी है।

बंधकों की रिहाई पर बात- समझौते के मुताबिक, पहले चरण में 33 बंधकों की रिहाई की जाएगी। इसमें बच्चे, महिलाएं, महिला सैनिक, 50 से अधिक उम्र के पुरुष और घायल व बीमार लोग शामिल होंगे। इजरायल को उम्मीद है कि ज्यादातर बंधक अभी जीवित हैं।

पहला चरण पूरा होने के 16 दिन बाद बचे हुए बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत शुरू होगी। इसमें पुरुष सैनिकों और युवाओं को छोड़ा जाएगा। साथ ही मृतकों की डेड बॉडी वापस की जाएगी।

सैनिकों की वापसी का प्लान

सैनिकों की वापसी चरणबद्ध तरीके से होगी। फिलाडेल्फी कॉरिडोर की सुरक्षा के लिए इजरायल के सैनिक तैनात रहेंगे। डील के बाद इजरायल कुछ हिस्सों से सैनिक वापस बुला लेगा। बॉर्डर के पास के कस्बों और गांवों की रक्षा के लिए इजरायली सैनिक तैनात रहेंगे।

उत्तरी गाजा के निवासियों को वापस जाने की परमिशन दी जाएगी। लेकिन वह अपने साथ कोई हथियार नहीं ले जा सकेंगे। इजरायली सैनिक मध्य गाजा में नेटजारिम

चीन ने इस देश के इलाके में तैनात किया 'राक्षसी जहाज', घबराए मछुआरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर में एक बार फिर से विवाद गहरा सकता है। इसकी वजह चीन के एक जहाज की तैनाती को बताया जा रहा है। फिलीपींस ने अपने विशेष समुद्री आर्थिक क्षेत्र में चीन के सबसे बड़े कोस्टगार्ड जहाज की तैनाती पर चिंता व्यक्त की है। इसे मछुआरों को डराने और उकसाने की कार्रवाई बताया गया है।

फिलीपींस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जोनाथन मलाया ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने 165 मीटर लंबे चीनी कोस्टगार्ड जहाज 5901 की उपस्थिति पर विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इस चीनी जहाज को राक्षसी जहाज करार दिया है।

उन्होंने कहा कि यह जहाज जाम्बालेस प्रांत के तट से 77 समुद्री मील (142 किमी) की दूरी पर देखा गया था। मलाया ने कहा, हम पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा दिखाई जा रही बढ़ती आक्रामकता से हैरान हैं। यह एक बड़ा उकसावा और अवैध है। उन्होंने इसे अस्वीकार्य बताते हुए जहाज को तुरंत श्वर्ध से हटाने की मांग की। फिलीपींस कोस्टगार्ड ने चीनी जहाज को हटाने के लिए अपने दो सबसे बड़े जहाजों को तैनात किया है।

पहले सिक्का उछालकर तय किया कि मारना है या नहीं

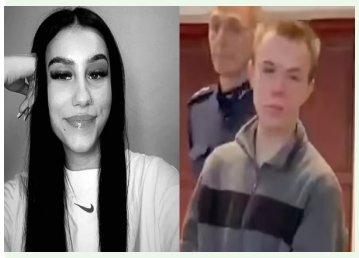

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोलैंड से एक भयावह घटना सामने आई है जिसे सुन कर हर कोई हैरान है। पोलिश व्यक्ति ने एक लड़की को मारने के लिए सिक्का उछाला, फिर उसके शव के साथ रेप किया।

स्थानीय वेबसाइट एस्का की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने जो खुलासा किया वह और भी हैरान कर देने वाला था। उस व्यक्ति ने खुलासा किया कि लड़की उसे रास्ते में मिली थी, जिसे घर में बुलाकर ले आया, जहां उसे मारकर उसके शव के साथ सेक्स किया।

महिला को मारने से पहले आरोपी ने उछाला सिक्का- पोलैंड की स्थानीय वेबसाइट एस्का की रिपोर्ट के अनुसार, 18 साल की लड़की का नाम विक्टोरिया कोजील्स्का है। जो एक दिन पोलिश शहर कैटोविस में एक पार्टी से घर लौट रही थी, जब उसके पास माटेउज हेपा आया, जिसने अभी-अभी एक कार रिपेयर शॉप में अपनी शिफ्ट पूरी की थी।

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, हेपा विक्टोरिया को बहला फुसलाकर अपने अपार्टमेंट में ले गया, जहां वह सो गई। बाद में, उसने उसे बेरहमी से पीटा और रस्सी से गला घोंटकर मार डाला, उसके बाद उसके शव को प्लास्टिक में लपेटा और पुलिस से संपर्क किया, जैसा कि उसके मुकदमे के दौरान पता चला।

ट्रंप की धमकी का असर ऐसा... बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार हुआ हमास, लेकिन इजरायल को क्या है चिंता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को धमकी दी थी कि अगर उनके शपथ ग्रहण से पहले बंधकों को नहीं छोड़ा गया, तो वह मिडिल ईस्ट में नर्क के दरवाजे खोल देंगे। अब इस धमकी का असर भी दिखने लगा है।

इजरायल के साथ कतर में चल रहे सीजफायर समझौते के तहत पहले चरण में हमास 33 बंधकों को रिहा करने पर तैयार हो गया है। हालांकि इनमें से कई बंधक मृत भी हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों की बातचीत अंतिम दौर में चल रही है।

94 बंधक अभी कब्जे में- इजरायल ने दावा किया था कि 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद हमास ने 94 बंधकों को अपने कब्जे में रखा हुआ है। इनमें से करीब 34 मर चुके हैं। दोनों देशों के बीच कतर के दोहा में बातचीत हो रही है।

बाइडन ने भी जताई खुशी- राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी डील पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हमने जिस समझौते को तैयार किया है, उससे बंधकों की रिहाई होगी। यह डील लड़ाई को खत्म कर देगी। हमारा समझौता इजरायल को सुरक्षा प्रदान करेगा। हम फिलिस्तिनियों को भी मानवीय सहायता दे पाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भी कहा कि समझौता अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा था कि हमास पर समझौते के लिए राजी होने का दबाव बढ़ रहा है।

बफर जोन पर भी विवाद- संभावना जताई जा रही है कि मंगलवार को आखिरी दौर की वार्ता के बाद समझौते पर सहमति बन जाएगी। हमास पहले चरण में 33 बंधकों की रिहाई करेगा, जबकि दूसरे चरण में युद्ध को खत्म करने पर बात होगी। हालांकि इजरायली सेना

पाकिस्तान में खीर बेच रहे ट्रंप! सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की सच्चाई जानकार हर कोई हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। ट्रंप और पीएम मोदी की दोस्ती जगजाहिर है, जिसकी वजह से पाकिस्तान की टेंशन बढ़ चुकी है।

इसी बीच पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक खीर बेचने वाला शख्स काफी चर्चा में है। दरअसल, यह शख्स हुबहु ट्रंप की तरह दिखता है। सोशल मीडिया पर इस शख्स की वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

ऐल्बिनिजम से पीड़ित हैं बग्गा- दरअसल, 53 वर्षीय बग्गा शहर में खीर बेचते हैं। वो ऐल्बिनिजम से पीड़ित हैं। दरअसल, ऐल्बिनिजम एक वंशानुगत विकार है जिसकी वजह से त्वचा, बाल, और आंखें बहुत सुनहरें रंग की हो जाती हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सलवार कमीज के ऊपर एक काली जैकेट पहन रखी है। शहर के लोग उनके साथ सेल्फी ले रहे हैं।

खीर खाने पहुंचे अशरफ नाम के शख्स ने कहा, नकी खीर सचमुच बहुत स्वादिष्ट है... हम उनसे बात करते हैं और उनके साथ सेल्फी लेते हैं और अपने दोस्तों को बताते हैं कि हमने ये तस्वीरें ट्रंप के साथ ली हैं।

बग्गा ने क्या कहा- वहीं, बग्गा को भी अहसास है कि उनका चेहरा ट्रंप से मिलता-जुलता है, इसलिए लोग उनके साथ सेल्फी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा चेहरा डोनाल्ड ट्रंप से मिलता जुलता है, इसलिए लोग मेरे साथ सेल्फी लेते हैं..मुझे बहुत अच्छा लगता है।

हर कोई अब भारत को दोस्त बनाने में लगा, जयशंकर बोले- देश की स्थिति मजबूत, अब हम पहले जैसे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत के बढ़ते वैश्विक कद और चुनौतीपूर्ण समय में सार्थक सहायता प्रदान करने की उसकी क्षमता पर जोर दिया है। स्पेन की अपनी यात्रा के दौरान भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत-स्पेन संबंध महत्वपूर्ण प्रगति के शिखर पर हैं।

स्पेन के डिप्लोमेटिक कम्युनिटी के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बोलते हुए, जयशंकर ने साझा किया कि उन्हें स्पेन के विदेश मंत्री ने एक वैश्विक सम्मेलन में देश के राजदूतों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ।

भारत के प्रभुत्व का जिक्र- भारत के बढ़ते प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई विदेश मंत्रालय या राजदूत आपको आने और उनसे बात करने के लिए कहते हैं, तो यह सोचने वाली बात है कि ऐसा क्यों हो रहा है।

आज दुनिया की स्थिति को देखते हुए सभी देशों को लगता है कि भारत के साथ अच्छे संबंध रखना उनके हित में है।

विदेश मंत्री ने नये भारत का जिक्र करते हुए कहा कि हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक ताकत और नेतृत्व के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, आज हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जो तीसरी सबसे बड़ी बनने की ओर अग्रसर है।

देश के 94 शहरों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से मुक्ति, सरकार लेकर आ रही बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हताश-निराश कर देने वाले जाम से जूझते शहरों में सड़कों की भीड़भाड़ कम करने के लिए केंद्र सरकार एक महत्वपूर्ण योजना पर काम कर रही है। सरकार ने राज्यों की राजधानियों समेत दस लाख से अधिक आबादी वाले 94 शहरों में जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रिंग रोड, बाईपास समेत अन्य उपाय करने की योजना बनाई है।

वित्त मंत्रालय की मंजूरी के बाद इसका विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। शहरी परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार इस योजना में राज्यों की भी भूमिका अहम होगी। उन्हें भूमि अधिग्रहण की लागत वहन करने के साथ ही कुछ और कदम उठाने होंगे। इसके बाद मंत्रालय कॉरिडोर आधारित सड़क निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेगा।

यूपी के इन शहरों को किया गया चिन्हित

योजना में जिन शहरों को चिह्नित किया गया है, उनमें उत्तर प्रदेश से राजधानी लखनऊ के साथ ही वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, मुरादाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, बरेली और मध्य प्रदेश में भोपाल के साथ ही इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन शामिल हैं।

भीड़भाड़ वाले शहरों को मिलेगी प्राथमिकता- अधिकारी ने कहा कि कई राज्य सरकारों ने रायल्टी छोड़ने के साथ ही जीएसटी की क्षतिपूर्ति जैसे कदमों के प्रति सहमति जताई है और उनके सकारात्मक रुख के बाद मंत्रालय ने अपना प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेज दिया है। योजना के तहत शहरों में काम प्राथमिकता के आधार पर होगा यानी जहां जितनी अधिक भीड़भाड़ है, वहां काम पहले होगा।

पहले चरण में तीस शहरों को लिया जा सकता है। शहरों में जाम की समस्या से मुक्ति के लिए रिंग रोड की जरूरत है या बाईपास की, इसका आकलन राज्यों को ही करना है। अधिकारी ने कहा कि बहुत से शहरों के पास से एनएच और एक्सप्रेस-वे निकले हैं और उन तक पहुंच सुविधाजनक है।

'पूरी दुनिया घूम रहे पीएम मोदी, लेकिन मणिपुर से बना रहे दूरी'...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। इस दौरान कांग्रेस ने कहा कि उनके पास पूरी दुनिया में जाने के लिए समय, इच्छा और ऊर्जा है, लेकिन उन्होंने पूर्वोत्तर राज्य के परेशान लोगों तक पहुंचना जरूरी नहीं समझा।

कांग्रेस का यह गुस्सा मणिपुर में शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा की पहली वर्षगांठ पर सामने आया है। कांग्रेस ने पिछले साल 14 जनवरी को मणिपुर से राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की थी, जिसका उद्देश्य बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना था।

मुंबई के शिवाजी पार्क में कांग्रेस की रैली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन का प्रतीक थी, जिसे लोकसभा चुनावों के दौरान हाइब्रिड मोड में चलाया गया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज, ठीक एक साल पहले, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की गई थी।

आंध्र प्रदेश में दो RTC बसों के बीच हुई जोरदार टक्कर, 30 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के चंद्रगिरि मंडल में कल्याणी बांध के पास एक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें 30 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि टक्कर में दो आरटीसी बसें शामिल थीं, जिनमें से एक तिरूपति से पिलेरू जा रही थी और दूसरी मदनपल्ले से तिरूपति आ रही थी।

पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 10 बजे हुआ जब दोनों बसें आपस में टकरा गईं, जिससे दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। मदनपल्ले जाने वाली बस का चालक केबिन में फंस गया था और आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं को उसे बचाना पड़ा।

कैसे हुआ हादसा- पुलिस और एम्बुलेंस सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है और अस्पताल अधिकारियों ने पर्याप्त चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की है। दुर्घटना का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

वहीं इससे पहले आंध्र प्रदेश के तिरुमाला तिरुपति मंदिर से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई थी। जानकारी के अनुसार तिरुमाला तिरुपति मंदिर लड्डू प्रसादम बांटे जाने वाले क्षेत्र में कल शाम आग लग गई थी।

ग्रोथ हार्मोन की कमी से पीड़ित है बच्चा, लेकिन तकनीक के इस्तेमाल में महारथ; मंत्री ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में टैलेंट की कमी नहीं है, ऐसा ही एक छात्र ने क्रोमबुक के अद्भुत इस्तेमाल से सबको चौंका दिया। छात्र का नाम सफरू सनथ कुमार बताया जा रहा है। उनकी इस हरकत से आंध्रप्रदेश के मंत्री नारा लोकेश गारू भी प्रभावित हुए और उन्होंने सनथ कुमार को बधाई देने के लिए आमंत्रित किया।

इस दौरान छात्र ने बताया कि कैसे वह स्कूल में अपनी नियमित पढ़ाई और ऑनलाइन क्लास के लिए क्रोमबुक का इस्तेमाल करते थे। बता दें कि इस बच्चे में ग्रोथ हॉर्मोन की कमी है और ये बच्चा जिला परिषद स्कूल पेनामालुरु में 10वीं कक्षा में पढ़ रहा है। बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में बच्चे ने की मंत्री की तारीफ- वीडियो में बच्चा लोकेश गारू की तारीफ कर रहा है और कह रहा है, ये बहुत ही अच्छे हैं और आज की जेनरेशन की दिक्कतें ये अच्छे से समझते हैं।

बच्चे का अनोखा कारनामा- वहीं इससे पहले कर्नाटक के मंगलुरु से एक हैरान करने वाला मामले सामने आया था । बताया जा रहा है, मंगलुरु के स्वरूप आध्यायन केंद्र के एक युवा छात्र प्रसन्न कुमार डीपी ने केंद्र की तरफ से विकसित चित्रात्मक भाषा में भगवद गीता के सभी 700 श्लोक लिखकर एक अनूठा रिकॉर्ड बनाया था।

12 साल के इस बच्चे ने प्रत्येक शब्द का प्रतिनिधित्व करने के लिए 84,426 विचित्र चित्र बनाए थे। इस उपलब्धि ने उन्हें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (आईबार) में पहचान दिलाई।

शिवमोग्गा जिले के होलेहोन्नूर के पम्पापति और नंदिनी के बेटे प्रसन्ना कुमार ने चित्रों के माध्यम से भगवद गीता बनाकर आईबीआर रिकॉर्ड बनाया था। शिवमोग्गा में राष्ट्रोत्थान विद्यालय में छठी कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद, कुमार एक साल पहले तटीय शहर में केंद्र में शामिल हो गए थे।

बुरे फंसे मार्क जुकरबर्ग... संसदीय समिति मेटा को भेजेगी मानहानि का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने पिछले साल लोकसभा चुनाव के नतीजों से जुड़ी गलत जानकारी शेयर की। एक द जो रोगन एक्सपीरियंस नामक पॉडकास्ट के दौरान मार्क जुकरबर्ग ने गलत दावा किया कि साल 2024 दुनिया के लिए उथल-पुथल का समय रहा। वहीं, भारत सहित कई देशों में सत्ता पलट गई।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद हुए चुनाव में भारत सहित विश्व के कई देशों में सरकार गिर गई। मार्क जकरबर्ग के इस बयान पर भारत सरकार ने नाराजगी जाहिर की है। भारत की संसदीय समिति, META को मानहानि का समन भेजेने की तैयारी कर रही है।

भाजपा सांसद और कम्युनिकेशन- इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कहा कि META को गलत जानकारी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, हमने तय किया है कि हम मेटा के लोगों को बुलाएंगे। जुकरबर्ग ने बयान देकर दिखाया है कि कोविड-19 के बाद सरकार के खिलाफ माहौल बनाया गया है, जिसमें उन्होंने भारत का भी जिक्र किया है। उनका यह बयान चिंताजनक है। इस तरह के बयान से पता चलता है कि वह देश के लोकतंत्र में हस्तक्षेप कर रहे हैं और दुनिया को गलत जानकारी देकर गुमराह कर रहे हैं कि भाजपा-एनडीए हार गई है।

दुबे ने कहा कि हमने तय किया है कि हम मेटा के लोगों को बुलाएंगे। उन्हें माफी मांगनी होगी, नहीं तो हमारी समिति कार्रवाई करेगी। हम समिति के सदस्यों से बात करेंगे और 20-24 जनवरी के बीच उन्हें उपस्थित होने के लिए कहेंगे।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी मार्क जकरबर्ग के बयान के खिलाफ प्रतिक्रिया दी है। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव कराया।

छात्राओं से साफ कराया टॉयलेट, पेरेंट्स बोले- कैंपस की सफाई और पानी भरवाने का काम भी करवाते हैं; प्रिंसिपल सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के पलाकोडु से एक स्कूल का वीडियो सामने आया है। जिसमें कुछ छात्राएं टॉयलेट साफ करती हुई नजर आ रही हैं । बता दें कि ये स्कूल ऐसे इलाके में है, जहां लगभग 150 आदिवासी परिवार रहते हैं और अपने बच्चों को पढ़ने के लिए इसी स्कूल में भेजते हैं।

इस घटना के बाद स्कूल के प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि यह घटना तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के पलाकोडू गांव में हुई।

क्या है पूरा मामला- मिली जानकारी के अनुसार, कक्षा 1 से 8 तक के लगभग 150 आदिवासी छात्रों को शिक्षा देने वाले इस स्कूल की जांच तब शुरू हुई जब घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इन तस्वीरों में स्कूल यूनिफॉर्म पहने लड़कियों को उनके हाथों में झाड़ू पकड़े और शौचालय की सफाई करते हुए देखा जा सकता है। जिसके बाद स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन हो गए और अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया और घटना की जांच की मांग की।

क्या बोले अभिभावक- वायरल वीडियो में दिख रहे कुछ छात्रों के अभिभावकों ने स्कूल शिक्षा विभाग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानाध्यापिका बच्चों से शौचालय साफ करने, परिसर में झाड़ू लगाने और पानी लाने जैसे काम करवाती हैं।

छात्राओं के पैरेंट्स ने बताया बच्चे स्कूल से थके-हारे घर लौटते हैं। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वे स्कूल में सफाई का काम कर रहे थे। जिसमें टॉयलेट साफ करना, पानी भरना और स्कूल कैंपस की सफाई करना शामिल था।

वहीं, एक छात्रा की मां ने बताया कि हमने अपने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजा था। जब वे घर लौटे तो बहुत थका हुआ महसूस कर रहे थे और उन्होंने होमवर्क भी नहीं किया। पूछने पर बच्चों ने कहा कि उन्होंने स्कूल में सफाई का काम किया और वे थका हुआ महसूस कर रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण द्वतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

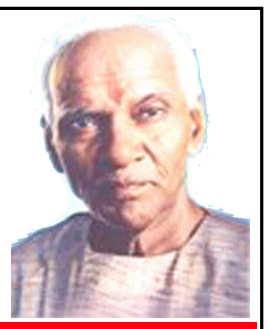

संपादकीय

पेपरों में सफलता केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब हम बाकी सब कुछ छोड़ दें...

जैसे-जैसे सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आती हैं, छात्रों को अपनी तैयारी तेज करने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे-जैसे शैक्षणिक वर्ष समाप्त हो रहा है, छात्र अपनी अंतिम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ का मानना है कि इन पेपरों में सफलता केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब हम बाकी सब कुछ छोड़ दें, अधिक संतुलित दृष्टिकोण अक्सर बेहतर परिणाम देता है। तो, हम अपने शिक्षार्थियों को उनकी बहुप्रतीक्षित परीक्षाओं की तैयारी में कैसे समर्थन दे सकते हैं? सीखना हमेशा रैखिक नहीं होता. कभी-कभी, आप जल्दी सीखते हैं, कभी-कभी धीरे-धीरे, और कभी-कभी, ऐसा लगता है कि आप कुछ भी नहीं सीख रहे हैं... यहां तक कि आइंस्टीन ने भी इन चुनौतियों का सामना किया था! सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि बाद में आपको यह अहसास न हो कि आप बेहतर कर सकते थे।

सकारात्मक बने रहें- उन विषयों और विषयों से शुरुआत करें जिनमें आप आश्वस्त हैं। शुरुआती सफलता का अनुभव प्रेरणा और बाद में अधिक चुनौतीपूर्ण सामग्री से निपटने के लिए आपके आत्मविश्वास दोनों को बढ़ाता है। एक वैयक्तिकृत पुनरीक्षण समय सारिणी बनाएं और एक योजनाकार या चार्ट का उपयोग करके अपनी प्रगति को ट्रैक करें। अपने चार्ट को पूर्ण विषयों से भरा हुआ देखना अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक हो सकता है। अभी शुरू करें... परीक्षाएं कुछ सप्ताह दूर हैं, इसलिए आपकी दीर्घकालिक और अल्पकालिक स्मृति एक साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकती है, और परीक्षा के समय तक, अंतिम मिनट में दोहराव प्रबंधनीय प्रतीत होगा। केवल उत्तर याद न रखें. इसके बजाय, अपनी अध्ययन सामग्री को बार-बार पढ़ें। इससे न केवल आपको अवधारणाओं को समझने और तथ्यों को बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि यह आपकी वर्तनी में भी सुधार करेगा। जब चीजें समझ में न आएं, तो दूसरे अर्थ को शामिल करने के लिए जोर से पढ़ने का प्रयास करें। कई छात्रों को यह कठिन विचारों को स्पष्ट करने में मदद करता है। नोट बनाओ- जैसे ही आप किसी अध्याय को निपटाते हैं, महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करें और उन्हें अपने शब्दों में लिखने का प्रयास करें। यह आपकी समझ को सुदृढ़ करने में मदद करता है और संशोधन के दौरान त्वरित संदर्भ के रूप में कार्य करता है। निबंध-आधारित उत्तरों के लिए, आप अपनी समीक्षा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्हें बिंदुओं में फिर से लिखने का प्रयास कर सकते हैं। प्रश्न पूछें- क्या? कब? कहाँ? कैसे? जब आपको कोई विषय समझ में न आए, तो अपने शिक्षकों से पूछने या अन्य शिक्षण संसाधनों का पता लगाने में संकोच न करें। याद रखें- किसी अवधारणा को पूरी तरह से समझना बेहतर ग्रेड की कुंजी है, इसलिए याद रखने की बजाय स्पष्टता पर ध्यान दें। अपना समय संतुलित करें- यदि आपको लगता है कि आप पूरा दिन पढ़ रहे हैं, तो अपने शेड्यूल का पुनर्मूल्यांकन करें। अपने लिए एक संतुलित दैनिक समय सारिणी बनाएं जिसमें पढ़ाई, खेलना (और शायद अपने पसंदीदा शो देखने का समय भी शामिल हो)। बर्नआउट से बचने के लिए छोटे-छोटे ब्रेक के साथ 1-2 घंटे के ब्लॉक में अध्ययन करें। सप्ताहांत में, आपके पास अध्ययन के लंबे घंटे हो सकते हैं लेकिन सुनिश्चित करें कि आपको अभी भी आराम करने और तरोताजा होने के लिए समय मिले। स्वस्थ रहें और विकर्षणों से बचें- एक स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग का समर्थन करता है। पौष्टिक भोजन करें, हाइड्रेटेड रहें, नियमित व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपका ध्यान अपने लक्ष्यों पर बना रहे, स्क्रीन समय सीमित करें और सोशल मीडिया विकर्षणों को प्रबंधित करें। परीक्षा कौशल का निर्माण करें।

थल सेना दिवस

थल सेना दिवस प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना के लिए पूरे भारत में मनाया जाता है। वस्तुत- थल सेना दिवस देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर सपूतों क` प्रति श्रद्धांजलि देने का दिन है। यह दिन देश के प्रति समर्पण व कुर्बान होने की प्रेरणा का पवित्र अवसर है।

संकल्प लेने का दिन

भारत में थल सेना दिवस देश के जांबाज रणबांकुरों की शहादत पर गर्व करने का एक विशेष मौका है। 15 जनवरी, 1949 के बाद से ही भारत की सेना ब्रिटिश सेना से पूरी तरह मुक्त हुई थी, इसीलिए 15 जनवरी को ÷थल सेना दिवस÷ घोषित किया गया। यह दिन देश की एकता व अखंडता के प्रति संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस भारतीय सेना की आज़ादी का जश्न है। यह वही आज़ादी है, जो वर्ष 1949 में 15 जनवरी को भारतीय सेना को मिली थी। इस दिन के.एम. करिअप्पा को भारतीय सेना का कमांडर-इन-चीफ़ बनाया गया था। इस तरह लेफ्टिनेंट करिअप्पा लोकतांत्रिक भारत के पहले सेना प्रमुख बने थे। इसके पहले यह अधिकार ब्रिटिश मूल के फ्राँसिस बूचर के पास था और वह इस पद पर थे। वर्ष 1948 में सेना में तकरीबन 2 लाख सैनिक ही थे, लेकिन अब 11 लाख, 30 हज़ार भारतीय सैनिक थल सेना में अलग-अलग पदों पर कार्यरत हैं।

शहीदों को श्रद्धांजलि

देश की सीमाओं की चौकसी करने वाली भारतीय सेना का गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर बनी अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस दिन सेना प्रमुख दुश्मनों को मुँहतोड़ जवाब देने वाले जवानों और जंग के दौरान देश के लिए बलिदान करने वाले शहीदों की विधवाओं को सेना मैडल और अन्य पुरस्कारों से सम्मानित करते हैं। हर वर्ष जनवरी में थल सेना सेना दिवस मनाया जाता है और इस दौरान सेना अपने दम-खम का प्रदर्शन करने के साथ ही उस दिन को पूरी श्रद्धा से याद करती है, जब सीमा पर वर्ष के बारह महीने जमे रहकर भारतीय जवानों ने समस्त देशवासियों के साथ ही साथ देश की रक्षा भी की थी। दिल्ली में आयोजित परेड के दौरान अन्य देशों के सैन्य अथितियों और सैनिकों के परिवारों वालों को बुलाया जाता है। सेना इस दौरान जंग का एक नमूना पेश करती है और अपने प्रतिक्रिया कौशल और रणनीति के बारे में बताती है। इस परेड और हथियारों के प्रदर्शन का उद्देश्य दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराना है। साथ ही देश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिये प्रेरित करना भी है। थल सेना दिवस पर शाम को सेना प्रमुख चाय पार्टी आयोजित करते हैं, जिसमें तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिमंडल के सदस्य शामिल होते हैं।

भारतीय थल सेना

भारतीय थल सेना के प्रशासनिक एवं सामरिक कार्य संचालन का नियंत्रण थल सेनाध्यक्ष करता है। सेना को अधिकतर थल सेना ही समझा जाता है, यह ठीक भी है क्योंकि रक्षा-पक्ति में थल सेना का ही प्रथम तथा प्रधान स्थान है। इस समय लगभग 13 लाख सैनिक-असैनिक थल सेना में भिन्न-भिन्न पदों पर कार्यरत हैं, जबकि 1948 में सेना में लगभग 2,00,000 सैनिक थे। थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

प्रथम कश्मीर युद्ध

स्वतन्त्रता के लगभग तुरन्त बाद से ही भारत और पाकिस्तान के मध्य तनाव पैदा हो गया था और दोनों देशों के बीच पहले तीन पूर्ण पैमाने पर हुये युद्ध के बाद राजसी राज्य कश्मीर का विभाजन कर दिया गय। कश्मीर के महाराजा की भारत या पाकिस्तान में से किसी भी राष्ट्र के साथ विलय की अनिच्छा के बाद पाकिस्तान द्वारा कश्मीर के कुछ हिस्सों मे आदिवासी आक्रमण प्रायोजित करवाया गया। भारत द्वारा आरोपित पुरुषों को भी नियमित रूप से पाकिस्तान की सेना मे शामिल किया गया। जल्द ही पाकिस्तान ने अपने दलों को सभी राज्यों को अपने में संलग्न करने के लिये भेजा। महाराजा हरि सिंह ने भारत और पंडित जवाहर नेहरू से अपनी मदद करने की याचना की, पर उनको कहा गया कि भारत के पास उनकी मदद करने के लिये कोई कारण नही है। इस पर उन्होने कश्मीर के विलय के एकतरफा सन्धिपत्र पर हस्ताक्षर किये जिसका निर्णय भारत सरकार द्वारा लिया गया पर पाकिस्तान को यह सन्धि कभी भी स्वीकार नहीं हुई।

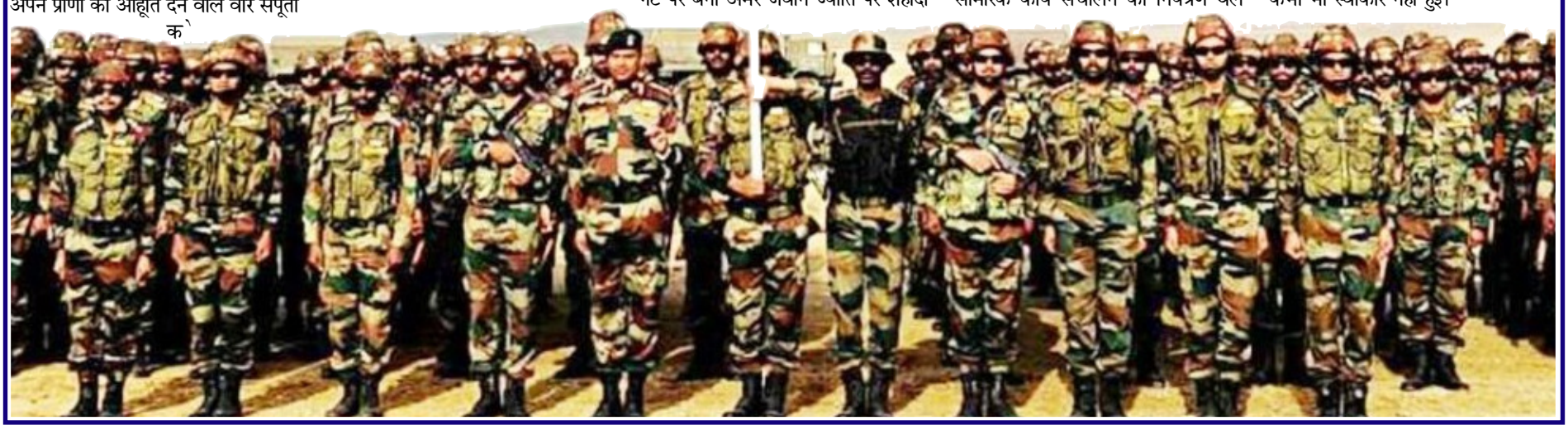

अब लंबी दूरी की उड़ानों पर नजर, दबदबा बढ़ाने की तैयारी कर रहीं घरेलू विमान कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विमान कंपनियों का दबदबा तेजी से बढ़ रहा है। घरेलू और कम दूरी की उड़ान में झंडे गाड़ने के बाद अब देसी एयरलाइंस लंबी दूरी उड़ानों में भी दबदबा बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। खास, टाटा ग्रुप की एयर इंडिया इस दिशा में जोर-शोर से प्रयास कर रही है।

कैसे बदल रही है लंबी दूरी उड़ान-

अमेरिकन एयरलाइंस 3,000 मील से कम दूरी की फ्लाइट को कम दूरी की उड़ान के रूप में परिभाषित करती है। वहीं, इससे अधिक दूरी की फ्लाइट लंबी दूरी की उड़ान होती है। अभी तक लंबी दूरी की उड़ानों के मामले में विदेशी विमानन कंपनियों का दबदबा है। लंबी दूरी की उड़ान से ही एविएशन सेक्टर का सबसे अधिक रेवेन्यू जेनरेट होता है।

एयर इंडिया के डेटा के अनुसार, विदेशी एयरलाइंस की लंबी दूरी के ट्रांजिट ट्रैफिक में 80 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी है, जबकि भारतीय एयरलाइनों की 15 फीसदी से भी कम है। एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर निपुण अग्रवाल का मानना है कि अगर हम हम कुछ न करें और बस चलते रहें, तो हम इस सेगमेंट में सालाना 6-7 फीसदी की वृद्धि कर सकते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ है।

एविएशन ग्रुप पर टाटा ग्रुप का बढ़ा फोकस-

टाटा ग्रुप के लिए एयर इंडिया काफी अहम कारोबार बन गया है। अग्रवाल का कहना है, हमारा रेवेन्यू जो वित्त वर्ष 20 में 1 अरब डॉलर से कम था, आज करीब 10 गुना बढ़ गया है। अवेलेबल सीट किलोमीटर आज लगभग छह गुना बढ़ गए हैं। हमारे पास अगले 10 साल में 600 विमानों का बेड़ा हो जाएगा। इसलिए, हम लंबी दूरी की उड़ान में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

एयर इंडिया के पास फिलहाल 202 विमानों का बेड़ा है। इसमें 67 लार्ज वाइड बॉडी विमान शामिल हैं। कंपनियों ने नए विमानों के लिए ऑर्डर दे रखे हैं। इनमें से ज्यादातर विमान अगले दो साल में बेड़े में शामिल हो सकते हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार! चार दिन में निवेशकों के 24.69 लाख करोड़ रुपये डूबे, रुपया भी बेहाल

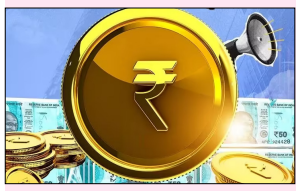

नई दिल्ली (एजेंसी)। इक्विटी मार्केट में पिछले 4 कारोबारी सत्रों की गिरावट से निवेशकों का भारी नुकसान हुआ है। उनके करीब 24.69 लाख करोड़ रुपये डूब गए। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी फंड की निरंतर निकासी से सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं, अमेरिका में मजबूत रोजगार आंकड़ों ने आग में घी डालने का काम किया, क्योंकि इससे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई। वहीं, रुपये में भी लगभग दो साल में सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट आई। इससे भी निवेशकों का हौसला पस्त हो गया।

चार सत्र में 2.39 फीसदी गिरा सेंसेक्स-

पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,869.1 अंक या 2.39 प्रतिशत गिरा है। शुक्रवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1,048.90 अंक या 1.36 प्रतिशत गिरकर अंत में 76,330.01 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,129.19 अंक या 1.45 प्रतिशत गिरकर 76,249.72 पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण चार दिनों में 24,69,243.3 करोड़ रुपये घटकर 4,17,05,906.74 करोड़ रुपये (4.82 ट्रिलियन डॉलर) रह गया। सोमवार को शेयरों में तेज गिरावट के साथ ही बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर से नीचे चला गया।

ग्रामीण क्षेत्र में संभावनाओं को पहचानें: निवेशकों के लिए विकास का अवसर क्या है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें से एक प्रमुख योजना है प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-जी), जिसका उद्देश्य किफायती आवास प्रदान करना है। इस योजना के तहत अब तक 2.1 करोड़ घरों का निर्माण किया गया है, जिससे निर्माण क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिला है।

इसी तरह, जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत 11 करोड़ नल जल कनेक्शन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण घरों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। इन परियोजनाओं ने जल प्रबंधन और स्वच्छता उत्पाद निर्माण से संबंधित कंपनियों को लाभ पहुंचाया है।

इन योजनाओं का प्रभाव न केवल ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार के रूप में दिखता है, बल्कि महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय की बचत और स्वास्थ्य सुधार के माध्यम से भी महसूस किया गया है। बचा हुआ समय और बेहतर स्वास्थ्य ग्रामीण आबादी को अधिक उत्पादक बनाने और नए अवसरों का लाभ उठाने में सहायक हो सकता है।

सरकारी योजनाओं ने आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, सौभाग्य योजना के तहत विद्युतीकरण अभियान ने ऊर्जा की खपत में वृद्धि की है और बिजली से चलने वाले उपकरणों और सौर ऊर्जा उत्पादों की मांग को बढ़ाया है। इसके साथ ही, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसी पहलों ने भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। इनसे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

चार महीने के निचले स्तर पर आई खुदरा महंगाई, क्या अब ब्याज दरों में कटौती करेगा RBI?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम जनता को लगातार दूसरे महीने महंगाई से राहत मिली है। खाने-पीने की चीजों का दाम घटने से दिसंबर में खुदरा महंगाई दर 5.22 फीसदी रही। यह खुदरा महंगाई का चार महीने का सबसे निचला स्तर है। दिसंबर 2024 में सब्जियों की महंगाई दर में थोड़ी नरमी आई है। हालांकि, आलू, मटर व फूलगोभी के दाम 2023 दिसंबर की तुलना में अब भी काफी अधिक है। नवंबर की खुदरा महंगाई दर 5.48 प्रतिशत थी। अगर खुदरा महंगाई दर में गिरावट का रुख जनवरी में भी जारी रहा, तो नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का रास्ता भी साफ हो सकता है। आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर शक्तिकांत दास ने कई मौकों पर स्पष्ट किया था कि केंद्रीय बैंक का फोकस महंगाई घटाने पर है। केंद्रीय बैंक खुदरा महंगाई को 4 फीसदी तक लाना चाहता है।

हालांकि, अब नए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई में आरबीआई ब्याज दरें घटाने पर विचार कर सकता है। इसकी वजह महंगाई का लगातार होना है। साथ ही, ब्याज दर घटाने से सुस्त होती इकोनॉमी की रफ्तार बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई केंद्रीय मंत्री ब्याज दर घटाने की जरूरत बता चुके हैं।

ग्रामीण भारत का बदलता आर्थिक परिदृश्य: भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रामीण भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। यह क्षेत्र अब केवल कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था नहीं है; बल्कि यह एक वाइब्रेंट, मल्टी-सेक्टर ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, और ट्रेड जैसे क्षेत्रों ने पिछले कुछ दशकों में कृषि पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विविधीकरण और बुनियादी ढांचे में हुए बड़े सुधार ग्रामीण भारत को एक उभरते हुए निवेश हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

लगभग 99त्न ग्रामीण गांव अब सड़कों, बिजली, और पुलों से जुड़े हुए हैं। मोबाइल पेनिट्रेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, जिसने ग्रामीण भारत को शहरी बाजारों के करीब लाने और व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलने में मदद की है। स्वास्थ्य से लेकर ई-कॉमर्स तक, विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति और बदलते उपभोग पैटर्न का लाभ उठा रही हैं।

साक्षरता दर में सुधार और बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ, ग्रामीण भारत न केवल आकार में बढ़ रहा है, बल्कि अपनी आर्थिक क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। प्रति व्यक्ति आय 2,000 को पार कर चुकी है, जिससे डिस्पोजेबल आय में भारी वृद्धि हुई है और ग्रामीण खपत को बढ़ावा मिला है। परिणामस्वरूप, विवेकाधीन व्यय बढ़ रहा है। ग्रामीण व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी घट रही है, जो यह दर्शाता है कि अब गैर-आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च किया जा रहा है।

यह बदलता हुआ आर्थिक परिदृश्य, आय के स्तर में लगातार वृद्धि के साथ, एक दशक पहले शहरी भारत में देखी गई प्रवृत्ति को दिखाता है, जब शहरी खपत में बड़ा उछाल आया था। आज, भारत की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46त्न का योगदान देती है। ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था निवेश के लिए एक आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है।

निवेशकों के लिए, ग्रामीण क्षेत्र अब भारत की समग्र विकास यात्रा में शामिल होने का एक सुनहरा अवसर है। ग्रामीण विकास और उपभोग में वृद्धि पर केंद्रित म्यूचुअल फंड योजनाएं इस बदलाव का लाभ उठाने का एक अनूठा तरीका हो सकती हैं। जैसे-जैसे बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और आय के स्तर में वृद्धि होगी, ग्रामीण भारत, भारत के आर्थिक भविष्य को एक नई दिशा देने में सक्षम होगा। यह इसे किसी भी निवेश पोर्टफोलियो के लिए एक आकर्षक अवसर बनाता है।

बजट में सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करने का सुझाव, जानें क्या होगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि आगामी बजट में सरकार को सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करके शुल्क संरचना आसान बनाना चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए के आयात बिलों में कटौती, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को बढ़ाने के लिए कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए।

जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में भारत के सीमा शुल्क ढांचे को परिष्कृत करने, अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने और शुल्क को राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप रखने के लिए शुल्क नीतियों की अंतर-मंत्रालयी समीक्षा की मांग की।

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

महिला की गोली मारकर हत्या करने वाले सिक्योरिटी गार्ड को उम्रकैद, घर से बाहर बुलाकर मारी गोली

जबलपुर। जिला न्यायालय ने महिला की हत्या के दोषी सिक्योरिटी गार्ड रामकृष्ण लोधी को आजीवन कारावास और सौ रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। गार्ड ने 15 मई 2023 को विवाद के बाद महिला को गोली मार दी थी। अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोष सिद्ध किया। जबलपुर जिला न्यायालय ने महिला की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी सिक्योरिटी गार्ड को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और सौ रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जिला सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी की अदालत ने यह फैसला सुनाया।

मूल रूप से दमोह जिले के तेजगढ़ खुर्द निवासी 30 वर्षीय रामकृष्ण लोधी गढ़ा कोष्टा मोहल्ला में सरस्वती बाई चौबे के मकान में किरायेदार था और सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। 15 मई 2023 को रामकृष्ण अपनी लाइसेंसी बंदूक लेकर सरस्वती बाई के घर पहुंचा। बातचीत के बहाने उसने महिला को घर से बाहर बुलाया। विवाद के बाद उसने अपनी बंदूक से सरस्वती बाई को गोली मार दी और फरार हो गया।महिला को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गढ़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

न्यायालय का फैसला

अभियोजन पक्ष ने एजीपी अनिल तिवारी की पैरवी में कोर्ट में गवाहों और साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। इन आधारों पर न्यायालय ने आरोपी को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और सौ रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

भोपाल से गुजरेंगी 22 कुंभ स्पेशल ट्रेनें, देखिए लिस्ट, जानिए टाइमिंग और स्टॉपेज की पूरी जानकारी

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ मेला के अवसर पर भारतीय रेलवे ने यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए भोपाल मंडल से होकर कई विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन विशेष ट्रेनों का ठहराव भोपाल स्टेशन सहित मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी होगा, जिससे श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेला तक आसानी से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

भोपाल मंडल के एसीएम व पीआरओ नवल अग्रवाल ने बताया कि रेलवे द्वारा ये विशेष ट्रेनें यात्रियों की यात्रा को और अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बनाने के लिए चलायी जा रही हैं। इन ट्रेनों के ठहराव में भोपाल, संत हिरदाराम नगर, इटारसी और अन्य प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। भोपाल-बीना मेमू ट्रेन शुरू, यात्रियों को मिलेगी राहत

इस बीच, भोपाल से खबर है कि लंबे इंतजार के बाद भोपाल और बीना के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन सेवा 14 जनवरी से फिर से शुरू हो गई है। इस ट्रेन को पिछले साल 28 दिसंबर से महाकुंभ के दौरान रैक भेजने के कारण रेलवे द्वारा रद कर दिया गया था।

नर्सिंग में प्रवेश के लिए 12वीं में हिंदी जरूरी, परीक्षा पास छात्रों को किया बाहर

सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के प्रवेश रद्द करने पर उठे सवाल

भोपाल। जिन छात्रों के 12वीं के कोर्स में हिंदी नहीं उन्हें नर्सिंग कोर्स में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा पास कर चुके छात्रो को अब बाहर कर दिया गया है।नाराज विद्यार्थी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बंगले पहुंचे और अपनी परेशानी बताई। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज में आए दिन नए-नए कारनामे सामने आ रहे हैं। पहले कॉलेज में भ्रष्टाचार के कारण छात्रों का भविष्य खराब हुआ। अब एक और बड़ा मामला सामने आया है। दरअसल जिन छात्रों के 12वीं के कोर्स में हिंदी सब्जेक्ट नहीं था उन्हें नर्सिंग काउंसिल में एडमिशन नहीं दिया जा रहा है। उन्हें कहा जा रहा है कि कोर्स में हिंदी और इंग्लिश दोनों होना अनिवार्य है। केवल इंग्लिश नहीं चलेगा। जबकि ये छात्र नर्सिंग कोर्सों में प्रवेश लेने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। परेशान विद्यार्थी मंगलवार को राजधानी भोपाल के सतपुड़ा भवन पहुंचे लेकिन वहां उन्हें कोई नहीं मिला जिसके बाद विद्यार्थी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बंगले पहुंचकर उनसे गुहार लगाई है। दिग्विजय ने संबंधित अधिकारी से बात की है। परीक्षा पास करने के बाद भी प्रवेश रद्द

मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के निवास पर पहुंचे इन विद्यार्थियों ने कर्मचारी चयन मंडल (श्रस्क्) द्वारा आयोजित परीक्षा और प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं पर अपनी नाराजगी जाहिर की। छात्रों का आरोप है कि परिणाम घोषित होने और प्रवेश देने के बाद हजारों योग्य छात्र-छात्राओं के प्रवेश रद्द किए जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने दिया समर्थन

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को लेकर विभाग के अधिकारियों से चर्चा करेंगे , उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स के साथ हो रहे अन्याय को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

इधर सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के प्रवेश रद्द किए जाने पर भी ह्स्ट्रु ने कड़ी आपत्ति जताई है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा के दौरान उन्हें शामिल किया गया, परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए गए और काउंसिलिंग प्रक्रिया में भी उन्हें प्रवेश दे दिया गया लेकिन अब छात्रों के प्रवेश नियमों को हवाला देकर प्रवेश रद्द किए जा रहे हैं। ह्स्ट्रु के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि यह न सिर्फ नर्सिंग, बल्कि सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के साथ भी अन्याय है। परीक्षा और काउंसिलिंग के दौरान नियमों में बदलाव छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह दर्शाता है कि नर्सिंग काउंसिल और चिकित्सा शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में गंभीर खामियां हैं। ह्स्ट्रु छात्रों के इस संघर्ष में पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी है। परमार ने कहा है कि छात्रों की समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ , तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा।

एनएसयूआई की प्रमुख मांगे

1. सभी छात्रों को काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल किया जाए।
2. सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के प्रवेश रद्द करने का आदेश तत्काल निरस्त हो।
3. नर्सिंग काउंसिल और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनियमितताओं की जांच की जाए।

पिता-पुत्र दिवस का संदेश, 108 बटुक ब्राह्मणों के साथ संक्रांति पर निकाली सूर्य देव की सवारी

भोपाल। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर इस वर्ष भी एक अनूठी आध्यात्मिक और सामाजिक पहल देखने को मिली। उज्जैन के शनि नवग्रह मंदिर, जहां हर ग्रह का अपना भूगर्भ अलग है, वहां कृष्णा गुरुजी के सानिध्य में सूर्य देव की भव्य सवारी निकाली गई। 108 बटुक ब्राह्मणों ने डमरू, ढोल, ताशे और शंखनाद के साथ भगवान सूर्य की शोभायात्रा निकाली। पालकी में विराजमान सूर्य देव का स्वागत शनि रूपी पुत्र ने किया। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न ग्रहों के ध्वज लिए बटुक ब्राह्मण चल रहे थे। इस सवारी ने पिता-पुत्र के प्रेम का अद्भुत संदेश दिया। पूजा-अर्चना और सूर्य-शनि का मिलन

सूर्य देव की पालकी त्रिवेणी संगम पहुंची, जहां आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ और जयकारों के बीच सूर्य देव का पूजन किया गया। साथ ही शनि मकर राशि के गर्भगृह में सूर्य देव की प्रतिमा स्थापित की गई। मंत्रोच्चारण और हवन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंदिर के पुजारी शैलेन्द्र त्रिवेदी, आयोजक कृष्णा गुरुजी एवं आमंत्रित स्वामी नारायण मंदिर के प्रधान जीवन दास जी और मंदिर के प्रधान राकेश गुरु ने इस आयोजन का नेतृत्व किया। कृष्णा गुरुजी का संदेश- मकर संक्रांति पिता-पुत्र प्रेम का प्रतीक

कृष्णा गुरुजी ने बताया कि हर त्योहार एक विशेष संदेश लेकर आता है। मकर संक्रांति, जो कैलेंडर वर्ष 2025 का पहला त्योहार है, खगोलीय, वैज्ञानिक, और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति पिता-पुत्र प्रेम का संदेश देती है। सूर्य और शनि, जिनके संबंधों में शत्रुता कही जाती है, फिर भी एक-दूसरे के घर जाना नहीं छोड़ते। यह पर्व हमें सिखाता है कि पिता और पुत्र अपने मतभेद भुलाकर एक-दूसरे का सम्मान करें और समय बिताएं। गुरुजी ने कहा कि हमारे रिश्तों में ग्रहों का गहरा प्रभाव होता है। उन्होंने समझाया कि सूर्य पिता, चंद्र माता, मंगल भाई-बहन, बुध मामा, गुरु पति-बच्चे, शुक्र पत्नी, और शनि अधीनस्थ कर्मचारी का प्रतीक हैं। यह संदेश दिया गया कि घर और ग्रहों के बीच का संबंध समझना आवश्यक है।

मकर संक्रांति का पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व

इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से मिले थे।

गंगा नदी इस दिन सागर में मिली थी।

भगवान विष्णु ने असुरों पर विजय प्राप्त की थी।

भागीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया था।

महाभारत के भीष्म पितामह ने इसी दिन प्राण त्यागे थे।

देश-विदेश से शामिल हुए श्रद्धालु

इस भव्य आयोजन में देश-विदेश से लोग शामिल हुए। कनाडा से बलजिंदर जी, दिल्ली से तेजिंदर जी, और उज्जैन, इंदौर, भोपाल के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कृष्णा गुरुजी सोशल वेलफेयर सोसाइटी के राकेश बजाज, राजेंद्र शर्मा, अनिल कुमार भारती, और मंडलोई ने कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में नवग्रह मंत्रों के साथ हवन और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

बुरहानपुर जिले में 34 हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल में आईसीटी लैब की स्थापना

इंदौर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर द्वारा बुरहानपुर जिले में स्कूल शिक्षा विभाग की विगत वर्ष की उपलब्धियाँ की जानकारी देते हुए बताया गया है कि विद्यार्थियों हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन समय सीमा में किया गया है।

बुरहानपुर जिले में संचालित 34 हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूलों में आई.सी.टी. लैब की स्थापना की गई है, जिसके तहत प्रत्येक शाला को 10 कंप्यूटर, एक प्रिंटर, एक एल.ई.डी. टीवी तथा एक डिजिटल पैड प्रदान किए गए हैं।

स्मार्ट क्लास योजना के अंतर्गत जिले में 17 हाई स्कूल/हाई सेकेंडरी स्कूलों में दो-दो इंटरएक्टिव पैनल व दो बालिका छात्रावासों में एक-एक इंटरएक्टिव पैनल प्रदान कर, विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्यापन की सुविधा प्रदान की गई है। इसी प्रकार शिक्षक-शिक्षिकाओं को ऑनलाइन शिक्षा सुविधा से जुड़ने के लिए प्रति शिक्षक 10 हजार रुपये के मान से टैबलेट क्रय हेतु राशि प्रदान की गई, जिसके तहत 452 शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा टैबलेट क्रय किए गए। साथ ही रोजगारोन्मुखी शिक्षा भी प्रदान की जा रही है।

जिले में शिक्षा में नवाचार व गतिविधि आधारित शिक्षा के अंतर्गत 05 विद्यालयों में पी.एम. श्री योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान होकर अनेक अकादमिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिले में संचालित 04 सी.एम. राइज विद्यालयों में से 03 सीएम राइज विद्यालयों के भवन लगभग पूर्णतः की ओर है, जिनमें सर्व सुविधायुक्त शिक्षा का संचालन शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। पिछले वर्ष शाला स्तर पर खेलकूद के आयोजन भी किए गए थे। संभाग हेतु जिले में 672 खिलाड़ियों का विभिन्न खेलों में चयन भी किया गया था, जिसमें 91 खिलाड़ियों का राज्य स्तर का चयन हुआ है। जिले के 02 खिलाड़ियों का एथलेटिक व भारोत्तलन में राष्ट्रीय स्तर पर भी चयन हुआ है। नवाचार एवं अच्छे कार्य के लिए अवार्ड तथा पुरस्कार भी मिले हैं। अगले वर्ष की योजनाओं का क्रियान्वयन भी समय सीमा में किए जाने का लक्ष्य है।

तुलसी नगर के सोमेश्वर महादेव मंदिर में प्रथम प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर भव्य धार्मिक आयोजन

इंदौर। तुलसी नगर कॉलोनी के बी सेक्टर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में प्रथम प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सोमेश्वर महादेव के महाभिषेक और हवन से हुई। इसके बाद अपराह्न में श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ किया गया।

शाम को महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिसके पश्चात मंदिर प्रांगण में महाआरती का आयोजन हुआ। इस महाआरती में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। आरती के उपरांत महादेव को 56 भोग अर्पित किए गए।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए शाम को खाटू श्यामजी की भजन संध्या का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन गायक पियूष भावसार ने अपनी सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भजन संध्या में मध्य प्रदेश बेसबॉल एसोसिएशन के महासचिव महेश जोशी, क्षेत्रीय पार्षद संगीता महेश जोशी, के. के. झा, दीपेश गुप्ता, अमिताभ मालवीय, निर्भय सिंह रघुवंशी, नारायण मीणा, राकेश जायसवाल, हरिओम राठौर, पंडित अभिषेक शास्त्री और मनोज दीक्षित सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और रहवासी शामिल हुए।

इस अवसर पर महाप्रसादी का भी आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और सामूहिकता की अनूठी मिसाल पेश की।

कलेक्टर ने राऊ एसडीएम को कलेक्टर कार्यालय पदस्थ किया

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राऊ श्री विनोद राठौर को तत्काल प्रभाव से जिला कार्यालय में पदस्थ कर दिया है। श्री विनोद राठौर का प्रभार संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खुडैल श्री गोपाल वर्मा को अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ आगामी आदेश तक सौंपा गया है। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ की मार्मिक पहल

इंदौर। भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर निर्माण की बाद आस्था का अनोखा समागम अयोध्या में देखा जा रहा है, देशभर से अनोखी वस्तुएं प्रदान की जा रही है, इन सब के लिए एक विशेष और अनोखा संग्रहालय (म्यूजियम) भी बनाया जाएगा।यह बात श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव एवं विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय चंपत राय जी ने कही। विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित योगेंद्र महंत एवं पदाधिकारियो की ओर से राष्ट्र गौरव सम्मान से माननीय चंपत राय सा को सम्मानित किया गया।

सेवा सेतु एप के बेहतर परिणाम आये सामने

तीन जरूरतमंद युवाओं को आगे बढ़ने का मिला नया सहारा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा पर शुरू किये गए जनकल्याण अभियान के चलते इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर सरकारी कार्यों को सुगम एवं प्रभावी बनाने तथा आमजन की मदद के लिए बनाये गए सेवा सेतु एप के बेहतर परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। इस एप के माध्यम से आज तीन दानदाताओं ने तीन युवाओं को आगे बढ़ने का नया सहारा दिया है। इन्होंने इन जरूरतमंद युवाओं को लैपटॉप प्रदान किये हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर इंदौर जिले में जरूरतमंदों की मदद के लिए सेवा सेतु एप बनाया गया है। जरूरतमंद और दानदाताओं के बीच सम्पर्क के लिए यह सेवा सेतु एप मददगार साबित हो रहा है। सेवा सेतु एप से जहां हर मदद से जिन्दगी बदल रही है। जरूरतमंद और सक्षम लोगों के बीच का यह एक सेतु है। इस एप से युवाओं को आगे बढ़ने का नया सहारा भी मिल रहा है।

आज कलेक्टर कार्यालय में इस एप के माध्यम से चिन्हित हुए तीन युवाओं को कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने लैपटॉप प्रदान किये। यह लैपटॉप आईआईटी रूड़की में शिक्षारत जरूरतमंद परिवार की पलक जगताप, स्टेनो की तैयारी कर रहे ग्रामीण क्षेत्र खुड़ेल के निवासी दिव्यांग रवि परमार और एमएससी केमेस्ट्री में अध्ययनरत मुस्कान चौरसिया को दिये गए। लैपटॉप मिलने से उक्त सभी युवा खुश दिखाई दिये। उन्होंने कलेक्टर श्री आशीष सिंह की इस पहल की सराहना की और कहा कि हम जैसे जरूरतमंदों के लिए यह आगे बढ़ने का नया सहारा है। हम जैसे अनेक जरूरतमंद युवाओं के अभाव दूर होंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने इस एप के माध्यम से जुड़कर अधिक से अधिक जरूरतमंद युवाओं और लोगों की मदद के लिए दानदाताओं से आग्रह किया है। उन्होंने दानदाताओं से कहा है कि वे इस एप के माध्यम से जुड़े, अपना रजिस्ट्रेशन करवायें और अधिक से अधिक जरूरतमंदों को सहयोग करें। कलेक्टर श्री सिंह ने दानदाताओं से कहा कि आपका योगदान जरूरतमंदों के लिए एक नई उम्मीद की किरण है। सेवा सेतु के माध्यम से आप न केवल उन तक सहायता पहुँचाते है, बल्कि उनके जीवन में बदलाव की नई शुरूआत भी करते हैं।

बताया गया कि प्रदेश में जरूरतमंदों के लिए इंदौर में पहली बार इस प्रकार का 'सेवा-सेतु' एप, बनाया गया है। इसमें आम आदमी अपनी जरूरत बता सकेंगे। जरूरमंद अपने इलाज, स्कूल-कॉलेज की फीस, रोजगार आदि जरूरत के लिये सहयोग मांग सकेंगे। आम आदमी द्वारा अपनी जरूरत बताने के बाद, जिला प्रशासन द्वारा उसको वेरिफाई किया जायेगा। दानदाता भी इसी एप से जुड़ेंगे और जरूरतमंद की सीधे मदद भी कर सकेंगे। इसी एप के माध्यम से अन्य कोई भी वह व्यक्ति जुड़ सकेगा जो गरीब, कमजोर, दिव्यांग, बुजुर्ग, बच्चों, विधवा महिलाओं की मदद करना चाहता है। उन्हें एक सूची इस एप पर दिखाई देगी, जो वास्तव में मदद चाहते है। एप के माध्यम से वे सीधे इन लोगों की मदद कर सकेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि सेवा सेतु एप सरकारी कार्यों को सुगम और प्रभावी बनाने के लिए है। इससे आम आदमी अपनी समस्याओं को सरकार तक पहुंचा सकेगा और एनजीओ भी अपने स्तर पर ही सीधे समाज सेवा में योगदान दे सकेंगे।

जनकल्याण अभियान के तहत स्कूल स्तर पर बनेंगे बच्चों के जाति प्रमाण पत्र

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए है कि जनकल्याण अभियान अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अभियान के तहत जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्कूलों की मदद ली जाए। स्कूल स्तर पर आवेदन पत्र एकत्रित कर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र बनाकर दिए जाए। शीत लहर को देखते हुए, रैन बसेरों में फुटपाथ पर रहने वाले लोगों, अन्य जरूरतमंद बुजुर्गों तथा राहगीरों के ठहराने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी अधिकारी दल बनाकर रात्रि भ्रमण करें और समुचित व्यवस्था करें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टी.एल.) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समय-सीमा के पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर की प्रगति की विभागवार समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में निराकरण में अधिकारी अपने-अपने विभागों की रैंकिंग में सुधार किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अनिवार्य रूप से देखें तथा प्राप्त आवेदनों को संतुष्टि के साथ सकारात्मक तरीके से निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशानुसार चलाए जा रहे हैं, जनकल्याण अभियान की प्रगति की विभागवार प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए की जनकल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। लक्ष्य के अनुसार शिविर आयोजित किए जाएं तथा शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण हो। आवेदनों के निराकरण में गति लायी जाए। जनकल्याण अभियान के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्कूलों की मदद ली जाए। स्कूलों से आवेदन पत्र एकत्रित कर संबंधित एसडीएम को भेज कर जाति प्रमाण पत्र बनवाए जाए, इसके लिए उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने कहा कि घुमक्कड़, अर्ध घुमक्कड़ एवं विमुक्त जाति के लोगों के प्रमाण पत्र बनाए जाने के कार्य को भी प्राथमिकता दी जाए। बैठक में श्री सिंह ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर नगर निगम द्वारा 14 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

इस कार्यक्रम में भारतीय परंपरागत खेलों के साथ ही अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किए जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि ध्वनि नियंत्रण अधिनियम का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराया जाए। इस संबंध में दिशा निर्देश देने के लिए डीजे संचालकों की बैठक भी अतिशीघ्र आयोजित की जाएगी। उन्होंने नगर निगम तथा सभी एसडीएम को निर्देशित किया है कि इंदौर में शीत लहर को देखते हुए फुटपाथ पर रहने वाले बुजुर्गों सहित अन्य व्यक्तियों और राहगीरों के लिए रैन बसेरे में ठहराने की उचित व्यवस्था की जाए, इसके लिए संयुक्त दल बनाकर आज सोमवार को विशेष अभियान संचालित करें। किसी भी फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह यह सुनिश्चित करें कि किसानों को निर्धारित मानक और गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक औषधी प्राप्त हो। औषधि, बीज और खाद भी विक्रेताओं की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया जाए। बैठक में उन्होंने बताया कि ÷युवा शक्ति मिशन÷ के अंतर्गत जिले में युवा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगें। इसमें प्रत्येक वर्ग के युवा के लिए संवाद कार्यक्रम होंगे। ÷युवा शक्ति मिशन÷ को ओर अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए युवाओं से सुझाव भी लिए जाएंगे। साथ ही युवा शक्ति मिशन की गतिविधियों को विस्तारित करने के लिए ब्रांड एंबेसेडर भी बनाए जाएंगे।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां प्रारंभ

इंदौर। आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का समारोह पूर्ण उत्साह के साथ गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। मुख्य समारोह 26 जनवरी को नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। समारोह आयोजन की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। समारोह की तैयारियों की रूपरेखा तय करने के लिए आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां गणतंत्र दिवस की गरिमा के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में की जाए। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण गंभीरता के साथ पूरा करें। आयोजन में किसी भी तरह की कोर कसर नहीं रखी जाए। उन्होंने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिये विभागवार दायित्व सौंपे। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी विभाग सौंपे गये कार्यों को पूर्ण गंभीरता के साथ करें।

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

अपर कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन । मंगलवार को अपर कलेक्टर श्री एम एस कवचे के द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। मुल्लापुरा निवासी श्रीमती गीता परिहार ने आवेदन दिया कि उन्होंने सन 2020 में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त किया था, जिसमें उन्हें सब्सिडी प्रदान की जानी थी, परंतु आज दिनांक तक ना तो उन्हें सब्सिडी की राशि दी गई है और ना ही अनुदान राशि का भुगतान हुआ है। इस पर एलडीएम उज्जैन को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नागदा तहसील के ग्राम भड़ला निवासी पूजाबाई ने आवेदन दिया कि वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती हैं और गांव में स्थित शासकीय भूमि पर काफी समय से कृषि संबंधित कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। अतः उन्हें निवास के लिए शासन के द्वारा जमीन का पट्टा उपलब्ध करवाया जाए। इस पर तहसीलदार को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

ताजपुर निवासी नागेश्वर पाटीदार ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कुछ भूमि में से गांव के एक अन्य व्यक्ति को सीमांकन के पश्चात कब्ज दिलवाया जाना था, परंतु आज दिनांक संबंधित व्यक्ति को कब्जा नहीं दिलवाया गया है। इस कारण से प्रार्थी और अनावेदक में आए दिन वाद विवाद हो रहा है। इस पर तहसीलदार ग्रामीण को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम चिरमिया तहसील महिदपुर निवासी बगदी राम ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर आवागमन के रास्ते को कुछ लोगों के द्वारा बंद कर दिया गया है, जिस वजह से उन्हें कृषि कार्य करने में बहुत परेशानी हो रही है, अतः उपयुक्त रास्ते को पुनः खुलवाया जाए। इस पर तहसीलदार महिदपुर को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

महिदपुर निवासी मोहनपुरी पिता भगवानपुरी ने आवेदन दिया कि वे जल संसाधन विभाग उपखंड महिदपुर में दैनिक वेतन भोगी स्थाई कर्मी चौकीदार थे तथा सन 2021 में सेवानिवृत हो गए हैं । उनके द्वारा श्रम न्यायालय में नियमितिकरण हेतु वाद दायर किया गया था, जिसका निपटारा श्रम न्यायालय द्वारा किया जाकर उनको वेतन अंतर की राशि और स्थाई वर्गीकृत का आदेश उनके पक्ष में पारित किया गया था। परंतु आज दिनांक तक उन्हें वेतन अंतर का भुगतान नहीं किया गया है। इस पर जल संसाधन विभाग के संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

श्री चन्द्रमौलेश्वर सेवा समिति ने मकर संक्रांति पर वितरित की महाप्रसादी

मोक्षदायिनी क्षिप्रा के तट पर श्रध्दालुओं ने लिया महाप्रसादी का लाभ

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी और मोक्षदायनी शिप्रा के तट पर देश विदेश से आने वाले भक्तों के लिए मकर संक्रांति के पावन पर्व पर श्री चन्द्रमौलेश्वर सेवा समिति उज्जैन द्वारा महाप्रसादी वितरण की गई।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सैकड़ो श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रसादी का लाभ लिया गया। लगातार संस्था द्वारा त्योहारों पर सामाजिक आयोजन किए जाते हैं उसी प्रकार मकर संक्रांति पर भी संस्था द्वारा सुबह 11 बजे से लेकर 5 बजे तक महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया गया जिसमें संस्था के सभी पदाधिकारी एवं समाजसेवी साथी उपस्थित हुए। जिसमें विशेष रूप से श्री चन्द्रमौलेश्वर सेवा समिति अध्यक्ष पंकज सिसोदिया, उपाध्यक्ष पंडित गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष पंडित गोपाल व्यास, सचिव पंडित अभिजीत जोशी, सह सचिव प्रदीप अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य ममता सिसोदिया, समाजसेवी सीमा खांडेगर प्रमुख रूप से उपस्थित हुए। संस्था में विशेष सहयोगी के रूप मे एडवोकेट विनीता सिंह, प्रियंका सिंह, अनामिका सिकरवार, कोमल धनवानी, विनोद दुबे, अशोक दाशोरा, सपना सिंह, राहुल सुराणा, हरीश गर्ग, हेमा लोधवानी, अलका शर्मा, विनीता परमार, पंडित आनंद शर्मा आदि के सहयोग एवं मार्गदर्शन मे यह सफल आयोजन हुआ। जानकारी मीडिया प्रभारी रीतेश लालवानी द्वारा दी गई।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल ने निकाली सनातन जाग्रति यात्रा

उज्जैन। श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल उज्जैन ने सनातन जाग्रति धार्मिक यात्रा का आयोजन किया।

अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष जयकिशन अग्रवाल, सचिव दीपेश अग्रवाल ने बताया कि नववर्ष के उपलक्ष्य में सनातन संस्कृति के अनुरूप धार्मिक स्थल पर जाकर पूजन पाठ के साथ करना चाहिए, इसी सोच के साथ उज्जैन से पशुपति नाथ जी, सवारिया सेठ जी, एकलिंग जी, नाथद्वारा जी यात्रा का आयोजन किया गया।

खिचड़ी और लड्डू का वितरण किया और शिप्रा मैया की आरती की गई

उज्जैन। श्री अवंतिका महाकाल युवा तीर्थ पुरोहित समिति रामघाट अध्यक्ष अजय जोशी कुंड वाला गुरु द्वारा मकर संक्रांति महापर्व पर खिचड़ी और लड्डू का वितरण किया गया और शिप्रा मैया की आरती की गई। चुनरी उड़ाई, सुहाग सामग्री अर्पण की। इस दौरान विशेष अतिथि महापौर मुकेश टटवाल, एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी, पार्षद रजत मेहता, एमआईसी सदस्य पार्षद प्रकाश शर्मा, एमआईसी सदस्य पार्षद सत्यनारायण चौहान, नगर उपाध्यक्ष जगदीश पांचाल, महिला मोर्चा महामंत्री सोनल जोशी, दिव्या दुबे, मंजू कसेरा, हीरामणि कर, युवा नेता मदन यादव, रितेश त्रिवेदी, अखिलेश चौबे हाथी वाला, वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित संजय जोशी कुंड वाला गुरु, मोहन गुरु डंडा वाला, मयंक जोशी कुंड वाला गुरु, सुनील शेट्टी, पूर्व पार्षद गिरीश शास्त्री, मंडल अध्यक्ष मुक्तक गोस्वामी, हेमंत वर्मा, पूर्व पार्षद सतीश गांधी आदि।

निरमाल्य का उत्पादों में प्रयोग करने से शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहायता होगी तथा कार्बन फुट प्रिंट कम करने में भी मदद मिलेगी मिलेगी-कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी दल ने रेड क्रॉस सोसाइटी मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ÷द यूथ सस्टेनेबल इंटरप्रेनरशिप समिट में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

मध्यप्रदेश रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस ÷स्वामी विवेकानंद जी÷ की जयंती पर युवाओं के लिए ÷द यूथ सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट÷ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विक्रम विश्वविद्यालय के दल द्वारा भी अपना स्टार्ट-अप आइडिया प्रस्तुत किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों युगांक सिंह, मृत्युंजय बडोले, मानसी सियाराम (प्राणिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला), अहाना चक्रवर्ती (फोरेंसिक विज्ञान, अध्ययनशाला) योजना राहंगिले (वनस्पति विज्ञान अध्ययनशाला) ने अपने स्टार्ट-अप प्लान निर्मल निर्माण की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के लिए विक्रम विश्वविद्यालय के दल को श्री मंगू भाई पटेल, माननीय राज्यपाल मध्यप्रदेश शासन द्वारा धन राशि 11,000 का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय के बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर प्रभारी प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह एवं विद्यार्थियों को मार्गदर्शक डॉक्टर शिवी भसीन ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा महाकाल मंदिर के फूलों के साथ बाइंडर का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के उत्पाद निर्मित किए गए हैं जो अलग-अलग प्रकार से उपयोग में लाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि महाकाल मंदिर के फूलों को आम जन तक पहुंचने का ये सशक्त मार्ग हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की अनोखी पहल से जो व्यक्ति महाकाल मंदिर प्रांगण तक नहीं पहुंच पाते और दर्शन लाभ नहीं प्राप्त कर पाते उन तक ये फूलों से बने उत्पाद पहुंच पाएंगे तो वे भी किसी रूप में बाबा महाकाल का आशीर्वाद पा पाएंगे। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से विद्यार्थी आत्मनिर्भर भी बन पाएंगे और वे सामाजिक हित के कार्य से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि निर्मलता का उत्पादों में प्रयोग कर के शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहायता होगी तथा कार्बन फुट प्रिंट कम करने में भी मदद मिलेगी मिलेगी। इस उपलब्धि पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर अनिल शर्मा, कुलानुशासक प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार शर्मा एवं विद्यार्थी संकाय के संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर एस के मिश्रा सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

जज़्बा पतंग उत्सव में पतंग विक्रेता पुरस्कृत, तिल गुड़ के लड्डू, तिरंगी पतंगें वितरित

उज्जैन। तिल गुड़ के लड्डू वितरित करते हुए एम आई सी सदस्य दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी ने जज़्बा सोशल फाउंडेशन उज्जैन के दो दिवसीय जज़्बा पतंग उत्सव में पहले दिन 13 जनवरी की रात्रि को तोपखाना स्थित पतंग मार्केट का अवलोकन किया।

ज़मीर उल हक़ और फरीद कुरेशी ने बताया कि श्रीमती चौधरी ने सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने वाले जज़्बा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज समाज को इनकी बहुत आवश्यकता है। इस अवसर पार्षद प्रतिनिधि अनवर नागोरी, सादिक खान आदि के साथ जज़्बा मेम्बर्स ने निरीक्षण के बाद अपना निर्णय दिया। समीर उल हक़ और मंसूर हुसैन ने बताया कि सबसे आकर्षक संदेश देने वाली पतंग के लिए इरशाद पतंग सेन्टर के इरशाद ख़ान को चुना गया। सादिक खान और शाहाब उद्दीन (भूरू शेख) ने बताया कि सबसे अच्छे डिजाइन की पतंग के लिए मोहम्मद शाकिर नागौरी को चुना गया। वसीम अब्बास और जुल्फ़ैज़ जाफरी ने बताया कि सबसे अच्छा मार्केट सजाने के लिए बबलू पतंग सेंटर को चुना गया। हारून नागोरी और असलम मंसूरी ने बताया कि चयनित व्यक्तियों को अतिथियों द्वारा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सलीम देहलवी और डॉ अनीस शेख ने बताया कि 14 जनवरी को तोपखाना स्थित मल्टी की छत पर पतंगें वितरित कर पतंगबाजी की गई। सभी अतिथियों ने पतंग बाज़ी के जज़्बा के इस अभिनव प्रयास के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। अत हर आलम अंसारी ने बताया कि अब्दुल मंसूरी और गुड्डू भाई ने भी कलाकारों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com